मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC),जेएमआई ने 19 जून, 2025 को यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन पर दो-सप्ताह, अंतःविषय रिफ्रेशर कोर्स का समापन किया

नई दिल्ली, 20 जून, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC) ने 5 जून से 19 जून, 2025 तक आयोजित "यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन (अंतर्विषय)" पर दो-सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का सफलतापूर्वक समापन किया। "टूरिज़्म एजुकेशन फॉर होलिस्टिक लर्निंग" थीम पर आधारित इस कोर्स ने भारत में पर्यटन शिक्षा और उद्योग के भविष्य पर महत्वपूर्ण संवाद में शामिल होने के लिए शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और व्यवसायियों के एक जीवंत और बौद्धिक रूप से विविध समूह को एक साथ एकत्र किया।

इस कार्यक्रम को जो बात अलग बनाती है, वह है विभिन्न विषयों और क्षेत्रों में दृष्टिकोणों का सचेत मिश्रण। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एमएमटीटीसी की मानद निदेशक प्रो. कुलविंदर कौर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और पाठ्यक्रम समन्वयकों- पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो. निमित चौधरी और प्रबंधन अध्ययन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनयना के त्वरित और प्रभावी प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने असाधारण प्रतिबद्धता और अकादमिक कठोरता के साथ पाठ्यक्रम का संयोजन और प्रबंधन किया।

बारह दिनों की अवधि में कार्यक्रम में 20 भारतीय राज्यों के विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 117 संकाय सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जिसमें केंद्रीय और राज्य संस्थानों से लेकर डीम्ड और निजी विश्वविद्यालय शामिल थे। सत्र अंतःविषय थे, जिसमें न केवल पर्यटन के क्षेत्र से बल्कि वास्तुकला, इतिहास, सांस्कृतिक अध्ययन, वन प्रबंधन और सार्वजनिक नीति के विशेषज्ञ भी शामिल थे।

पाठ्यक्रम की एक उल्लेखनीय शैक्षणिक विशेषता वरिष्ठ विश्वविद्यालय प्रशासकों और कुलपतियों की भागीदारी थी, जो पर्यटन शिक्षा के रणनीतिक महत्व को दर्शाती है। इनमें आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति प्रो. योगेश उपाध्याय, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के मुख्य सलाहकार और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. फुरकान कमर शामिल थे। समृद्ध अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को जोड़ते हुए श्रीलंका के सबरागामुवा विश्वविद्यालय में प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन प्रो. अथुला ज्ञानपाल और मॉरीशस की प्रो. वैनेसा गायत्री गौरीसुंकर, जो वर्तमान में भारतीय प्रबंधन संस्थान, सिरमौर में हैं, वह भी शामिल थीं।

डॉ. वेणु वासुदेवन, आईएएस (सेवानिवृत्त), केरल के पूर्व मुख्य सचिव और कोच्चि बिएनले फाउंडेशन के अध्यक्ष, और डॉ. पुनीत कुमार गोयल, आईएएस, जो वर्तमान में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में सचिव और गोवा के पूर्व मुख्य सचिव हैं, उन्होंने अपने शासन के अनुभव और पर्यटन नीति की अंतर्दृष्टि साझा की। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय में महानिदेशक (पर्यटन) श्री सुमन बिल्ला, आईएएस ने केंद्रीय नीति के दृष्टिकोण से पर्यटन के भविष्य पर बात की, जबकि पर्यटन मंत्रालय में पूर्व सचिव श्री विनोद जुत्शी, आईएएस (सेवानिवृत्त) और पर्यटन मंत्रालय में कौशल एवं क्षमता निर्माण प्रभाग के निदेशक श्री रोशन एम. थॉमस ने कौशल और स्थिरता में उभरती प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। उद्योग विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

ए.टी. सीजन्स एंड वेकेशन्स ट्रैवल प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अमरेश कुमार तिवारी ने वैश्विक यात्रा व्यवसाय से जुड़ी जानकारियाँ दीं। स्कूल फॉर यूरोपियन पेस्ट्री एंड कलिनरी आर्ट्स के निदेशक शेफ (डॉ.) परविंदर सिंह बाली ने पाक विरासत और आतिथ्य शिक्षा पर चर्चा की, जबकि श्रीलंका में ताज कोलंबो में लर्निंग एंड डेवलपमेंट की प्रबंधक डॉ. श्वेता चंद्रा ने राष्ट्र निर्माण में होटल व्यवसायियों की भूमिका पर बात की। केरल रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन सोसाइटी के सीईओ श्री रूपेश कुमार ने ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के लिए पर्यटन की संभावनाओं का जमीनी स्तर पर दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

पूरे पाठ्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने कई विषयों पर चर्चा की, जिसमें जेन जेड इंगेजमेंट और इकोटूरिज्म में पर्यटन की भूमिका से लेकर विमानन-पर्यटन तालमेल, मंदिर वास्तुकला, स्थानीय विरासत, सस्टेनेबल लग्ज़री और पर्यटन शिक्षाशास्त्र में नवाचार शामिल हैं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक पहचान, निर्मित विरासत और नीति सुधार पर पर्यटन के प्रभाव के साथ-साथ समूह प्रस्तुतियों और एक संरचित मूल्यांकन प्रक्रिया पर विचारोत्तेजक चर्चाएँ भी शामिल थीं।

कार्यक्रम का समापन साझा उद्देश्य और आशावाद की प्रबल भावना के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने इस पहल के व्यावहारिक सत्रों और सहयोगी भावना के लिए हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की। इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ने न केवल अंतःविषयक शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, बल्कि कक्षा सिद्धांत और क्षेत्र-स्तरीय अभ्यास के बीच की खाई को भी पाटा - जिससे उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी और समावेशी क्षमता निर्माण के लिए एमएमटीटीसी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी